अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 17.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

बावन-बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) आठ कर्मों का उदय उपशम, क्षय, क्षयोपशम छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) पन्द्रह योग कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) तेईस पदवी कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) उदय के तैतीस बोल किस-किस कर्म के उदय से?

(ख) आठ कर्मों का बंध उदय सत्ता किस-किस गुणस्थान तक?

(ग) इन्द्रियां कितने भाव कितनी आत्मा?

(घ) जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) संवर के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) चौदह गुणस्थान छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ग) आठ आत्मा में उदय भाव कितनी? यावत् पारिणामिक भाव कितनी?

(घ) जीव पदार्थ आत्मा कितनी? यावत् मोक्ष पदार्थ आत्मा कितनी?

इक्कीस द्वार–25

प्र. 4 कोई चार बोल पूरा करें– 20

(क) औपशमिक सम्यक्त्वी।

(ख) अभाषक।

(ग) सम्यक मिथ्या दृष्टि।

(घ) वायुकाय।

(ङ) तेजोलेश्यी।

(च) विभंग ज्ञानी में।

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें–(कितने व कौन-कौन से पाते हैं?)– 5

(क) सूक्ष्म संपराय–योग, लेश्या।

(ख) अचरम–उपयोग, भाव।

(ग) असंज्ञी–दण्डक, दृष्टि।

(घ) मनःपर्यवज्ञानी–योग, गुणस्थान।

(ङ) स्त्रीवेदी–दण्डक, गुणस्थान।

(च) अज्ञानी–दृष्टि, पक्ष।

(छ) अनाहारक–दृष्टि, वीर्य।

जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) दव देवो.....। चोर, हिंसक.....। चोर तीनूं.....। इन पद्यों को पूर्ण करें।

(ख) उपासक (श्रावक) प्रतिमा द्वार 9, 10, 11वीं प्रतिमाओं का वर्णन करें।

(ग) सम्यक दर्शन द्वार लिखें।

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) श्रावक चिंतन द्वार।

(ख) पारमार्थिक दान के तीन भेदों का वर्णन करें।

(ग) प्रमाण द्वार प्रारंभ से लिखते हुए सप्तभंगी के पहले तक लिखें।

(घ) मच्छर, बिच्छू आदि में–इन्द्रिय, काय योग, उपयोग।

(ङ) धर्म-अधर्म द्वार–प्रारंभ से लिखते हुए अनगार धर्म के भेद तक लिखें।

(च) आगम को परिभाषित करते हुए उपांग, मूल व छेद के प्रकार लिखें।

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) निक्षेप किसे कहते हैं?

(ख) खुलावट का दूसरा नाम लिखें।

(ग) दया किसे कहते हैं?

(घ) एकेन्द्रिय में शरीर कितने? नाम लिखें।

(ङ) विचिकित्सा का क्या तात्पर्य है?

(च) चौदह पूर्व..... के अंतर्गत हैं।

(छ) प्रतिमा द्वार–पांचवी प्रतिमा वाला रात्रि..... नहीं करता। दिन में.....रहता है।

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान–20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें–(प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्नों को हल करें)– 8

तत्त्व प्रचेता पच्चीस बोल–

(क) सतरहवां आश्रव।

(ख) संसारी आत्मा के निवास स्थान को क्या कहते हैं?

(ग) अचेतन तत्त्व किसे कहते हैं?

(घ) निर्जरा का नौवां भेद।

चतुर्भंगी–

(ङ) किस संवर के जीव कम, किस संवर के जीव अधिक?

(च) इंद्रियां जीव या अजीव?

(छ) ध्यान किस कर्म का उदय?

पच्चीस बोल की चर्चा–(किसमें व कौन-कौन से)–2

(ज) दस दण्डक।

(झ) पांच आत्मा।

(ञ) सात उपयोग।

तत्त्व चर्चा–

(ट) पुण्य व धर्मास्तिकाय एक या दो?

(ट) पांच समिति छह में कौन? नौ में कौन?

(ड) पाप धर्म या अधर्म?

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) प्रतिक्रमण–ग्यारहवां व्रत सूत्र व अतिचार सहित अर्थात पूरा लिखें। ***अथवा*** वंदना सूत्र।

(ख) जैन तत्त्व प्रवेश–दृष्यंत द्वार–पुण्य पाप ***अथवा*** क्षयोपशमिक भाव।

(ग) दर्शन मोह कर्म की प्रकृतियों का कार्य एवं स्थिति ***अथवा*** चारित्र मोह कर्म के लक्षण एवं कार्य का यंत्र।